# 'बिहार की तकनीकी समृद्धि का सपना'

## अमित कुमार दास

- अमित दास ग्रुप ऑफ आईटी कंपनीज आईसॉफ्ट्स, ऑस्ट्रेलिया के संस्थापक अध्यक्ष हैं।
- 30 वर्षीय अमित कुमार दास बिहार फाउंडेशन, सिडनी के संस्थापक सदस्यों में शामिल हैं।
- 1997 तक अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल पाने वाले अमित दास 1999 में माइक्रोसॉफ्ट सर्टिफाइड प्रोफेशनल बनकर सिडनी, ऑस्ट्रेलिया चले गए। वहाँ स्वयं को उन्होंने एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित किया।

प्रस्तावित मोती बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, फारबिसगंज

एक कर्मठ उद्यमी और आईटी विशेषज्ञ अमित कुमार दास ने अपने जन्म स्थान बिहार की तकनीकी समृद्धि का सपना संजोया है। इसके लिए वह राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी महाविद्यालय खोलने वाले हैं। वह बताते हैं – "सुदूर फारबिसंगज इलाके में मोतीबाबू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमबीआईटी) छात्र-छात्राओं को सभी सुविधाएँ देगा।"

वर्षों से यह कसक थी, जिसके लिए किसान के बेटे अमित ने किशोरावस्था में जबर्दस्त पीड़ा झेली। इस पीड़ा को हरने के लिए वह सात समंदर पार ऑस्ट्रेलिया गए। अब वह सिडनी के प्रसिद्ध युवा भारतीय उद्यमियों में शुमार हैं।

15 जुलाई, 1979 को अमित कुमार दास का जन्म अररिया के मृदौल गाँव में हुआ। उनका बचपन बेहद साधारण था। उन्हें पढ़ने के लिए वीरपुर (सुपौल) के सरकारी स्कूल में पैदल जाना पड़ता था। स्कूल में बैठने की उचित व्यवस्था नहीं थी। सो, वह टाट की चटाई पर बैठते थे। आगे की पढ़ाई उन्होंने सरहसा जिला स्कूल में पूरी की। फिर पटना के अनुग्रह नारायण कॉलेज (ए एन कॉलेज) में पढ़ाई करने के बाद वह उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली चले गए।

सूचना क्रांति से प्रभावित होकर अमित कुमार दास उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया चले गए। हिंदी में बातचीत करने के वह इतने अभ्यस्त थे कि अंग्रेजी में तकनीकी पढ़ाई के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

यह पीड़ा जो अमित कुमार दास ने विदेश में सही, उन्हें बिहार के लिए कुछ खास करने को सतत प्रेरित करती रही। फारबिसगंज में प्रस्तावित एमबीआईटी उनके सपने का मूर्त्त रूप होगा, जिसके लिए उन्होंने शैक्षणिक संस्था इनोटेक एजुकेशन सोसाइटी बनाकर आस्ट्रेलिया में प्रौद्योगिकी शिक्षा के एक उच्च संस्थान टेफे ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता किया है।

अमित की दिली ख्वाहिश बिहार को तकनीकी समृद्धि दिलाना है। वे कहते हैं – "यदि सबकुछ सही रहा, तो एमबीआईटी का शैक्षिक सत्र वर्ष 2012 से शुरू हो जाएगा। यहाँ छह संकायों जैसे – कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रिकल साइंस, दूरसंचार विज्ञान, सामान्य अभियांत्रिकी, मेकैनिकल इंजीनियरिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रत्येक में 60 विद्यार्थी पढ़ाए जाएंगे।"

राज्य की तकनीकी समृद्धि के अपने अभियान के अंतर्गत अमित कुमार दास ने ऑस्ट्रेलियाई कंपनी 'एफ क्यूब्ड' को प्रोत्साहित किया है कि बिहार में पर्याप्त राशि का निवेश आर्सेनिक प्रभावित जिलों में करे, ताकि लोगों को सस्ते में साफ पानी पीने को मिले। सौर ऊर्जा विकिरण पर आधारित जल संशोधन की इकाइयाँ फतुहा और औरंगाबाद में लगेंगी। इसके लिए फर्म 'एल लीगल' पायलट प्रोजेक्ट की सहज संभावनाओं का सर्वेक्षण करने में व्यस्त हैं। अगले दो-तीन महीनों के अंदर इन प्रोजेक्ट के शुरू होने पर अनेक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।